कृष्ण है विस्तार यदि तो सार है राधा भजन लिरिक्स

कृष्ण है विस्तार यदि तो,
सार है राधा,
कृष्ण की हर बात का,
आधार है राधा,
राधा बिना कृष्ण नहीं,
कृष्ण बिना नहीं राधा,
जिस कण में राधा बसी,
उस कण में बसे हैं कृष्ण सदा से,
राधा राधा राधा राधा,
कृष्ण कृष्ण कृष्ण,
राधाकृष्ण, राधाकृष्ण,
राधाकृष्ण कृष्ण कृष्ण,
राधाकृष्ण, राधाकृष्ण,
राधाकृष्ण कृष्ण कृष्ण।bd।

कृष्ण है वंशी तो,
राधा तान मतवारी,
कृष्ण है सृष्टा तो,
राधा सृष्टि है सारी,
कृष्ण बिना राधा का,
होना कहां संभव है,
कृष्ण यदि परमानंद,
तो राधा उत्सव है,
सदा से कृष्ण के हर रोम में,
है राधिका प्यारी,
राधा के तन मन में,
बस के कृष्ण बनवारी,
राधा के अधरों पर,
कृष्ण का है नाम,
सदा एक दूजे में,
दोनों पाते हैं विश्राम,
सदा युगों से,
राधा राधा राधा राधा,
कृष्ण कृष्ण कृष्ण,
राधाकृष्ण, राधाकृष्ण,
राधाकृष्ण कृष्ण कृष्ण,
राधाकृष्ण, राधाकृष्ण,
राधाकृष्ण कृष्ण कृष्ण।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कृष्ण है विस्तार यदि तो,
सार है राधा,
कृष्ण की हर बात का,
आधार है राधा,
राधा बिना कृष्ण नहीं,
कृष्ण बिना नहीं राधा,
जिस कण में राधा बसी,
उस कण में बसे हैं कृष्ण सदा से,
राधा राधा राधा राधा,
कृष्ण कृष्ण कृष्ण,
राधाकृष्ण, राधाकृष्ण,
राधाकृष्ण कृष्ण कृष्ण,
राधाकृष्ण, राधाकृष्ण,
राधाकृष्ण कृष्ण कृष्ण।**bd**।

Upload By – Rajni Verma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com